जमीन विवाद में महिला की हत्या, उपचार के दौरान जयपुर में दम तोड़ा

महिला के देवर और जेठ इस बात को लेकर नाराज थे कि उसके पति ने अपने हिस्से की जमीन बेच दी थी

सूरजगढ़, (निसं)। थाना इलाके के स्यालू खुर्द गांव में जमीन विवाद में एक महिला की हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार महिला के देवर और जेठ इस बात को लेकर नाराज थे कि उसके पति ने अपने हिस्से की जमीन बेच दी थी। घटना सोमवार की है। जब जमीन खरीदने वाला व्यक्ति गांव आया तो महिला के जेठ और देवर अपने परिवार सहित उससे झगड़ा करने पहुंच गए। जब मामला गरम होता दिखा तो जमीन को खरीदने वाला व्यक्ति तो वहां से चला गया, लेकिन आपसी झगड़े में महिला के गंभीर चोटें आई, जिससे उसकी मौत हो गई।

मारपीट की घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई।

- जब जमीन खरीदने वाला व्यक्ति गांव आया तो महिला के जेठ और देवर अपने परिवार सहित झगड़ा करने पहुंच गए

जानकारी के मुताबिक स्यालू खुर्द गांव में चार भाइयों रघुवीर, दाताराम, निहालसिंह और महेंद्र सिंह की पुश्तैनी जमीन थी। चारों भाइयों ने अपना-अपना हिस्सा बांट रखा था। इसमें से निहाल सिंह ने गत दिनों अपने हिस्से की जमीन सज्जन नाम के व्यक्ति को बेच दी। जिसका पता नेवी में कमांडर महेंद्र सिंह भालोठिया को लगा तो वह गांव आया। सोमवार को सज्जन कुलहार जब निहाल सिंह से मिलने के गांव आया तो महेंद्र सिंह भालोठिया, उसका बड़ा भाई दाताराम, बेटा पवन आदि सज्जन कुलहार की गाड़ी के पास पहुंच गए। दोनों पक्षों में बहस हुई तो मौके की नजाकत भांपते हुए सज्जन मौके से चला गया, लेकिन गरमागरमी में निहाल सिंह पर कमांडर महेंद्र सिंह भालोठिया, दाताराम, महेंद्र सिंह का बेटा पवन कुमार और घर की महिलाओं ने हमला बोल दिया। इस मारपीट में निहाल सिंह की पत्नी संतोष के गंभीर चोटें लगी। जिससे वह मौके पर ही बेहोश हो गई। पड़ोसियों ने पहुंचकर मामला शांत कराया और संतोष को सूरजगढ़ के अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे जयपुर रैफर कर दिया। जयपुर में संतोष ने दम तोड़ दिया। संतोष की मौत की सूचना पर एसएचओ हेमराज मीणा जयपुर पहुंचे। एसएमएस अस्पताल में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को शव सौंप दिया।

इधर, मंगलवार को संतोष की मौत की सूचना के बाद गांव के मंदिर में ग्रामीणों की बैठक हुई। जिसमें इस मामले की निंदा करते हुए ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि निहालसिंह के कोई बेटा-बेटी नहीं है। निहाल सिंह से आए दिन उसका भाई कमांडर महेंद्र सिंह झगड़ा करता था, जिससे परेशान होकर निहाल सिंह अपनी जमीन बेचकर दूसरी जगह पर शिफ्ट होना चाह रहा था। तो वहीं कमांडर महेंद्र सिंह और उसका भाई दाताराम, निहाल सिंह के हिस्से की जमीन को हड़पना चाह रहे थे। यही कारण है कि सोमवार को मारपीट हुई, जिसमें निहाल सिंह की पत्नी की जान चली गई। संतोष देवी का शव देर रात को गांव पहुंचा, जिसका बुधवार सुबह दाह संस्कार किया जाएगा।

सोमवार को हुई मारपीट के बाद निहाल सिंह की पत्नी संतोष देवी की हालत गंभीर थी। निहाल सिंह अपनी पत्नी का इलाज करवाने के लिए जयपुर चला गया। पीछे से कमांडर महेंद्र सिंह भालोठिया ने थाने में निहाल सिंह, उसकी पत्नी संतोष, जमीन खरीदने वाले सज्जन, उसके एक साथी, पड़ौसी हेमराज तथा उसके दिवंगत भाई रघुवीर सिंह की पत्नी चंद्रकला के खिलाफ थाने में मामला दर्ज करवाया। जिसमें उसने छहों लोगों पर उसके, उसकी पत्नी सुशीला, बेटे पवन आदि के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। एफआईआर में महेंद्र सिंह ने आरोप लगाया था कि निहाल सिंह ने उसके हिस्से का कुआं और रास्ते की सामलाती जमीन को बेच दिया, जिसके बाद जमीन खरीदने वाला सज्जन लगातार धमकियां दे रहा था। यही कारण है कि वह भी अपनी ड्यूटी से छुट्टी लेकर गांव आया था।

निहाल सिंह ने जयपुर में दी रिपोर्ट :-इधर, निहाल सिंह अपनी पत्नी का ईलाज करवाने के लिए जयपुर चला गया था। जिसके कारण उसने सोमवार को रिपोर्ट नहीं दी। मंगलवार को उसकी पत्नी की मौत के बाद उसने जयपुर में ही लिखित रिपोर्ट दी। जिसमें उसने बताया कि सोमवार को जब वह अपने घर बैठा था तो उसकी जमीन खरीदने वाला सज्जन आया। इसी दौरान उसका भाई महेन्द्र सिंह, महेंद्र की पत्नी सुशीला, बेटा पवन कुमार, दूसरा भाई दाताराम व दाताराम की औरत इन्द्रा पांचो एक साथ होकर हाथों मे लाठी सरिया व धारधार हथियार लेकर व महेंद्र सिंह अपनी सर्विस रिवाल्वर लेकर जान से मारने की नियत से उसके घर में घुसकर पहले गाली-गलौच और बाद में मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद उसका छोटा बेटा अंकित और अंकित की पत्नी निधि व पवन की पत्नी भी पहुंच गई। सभी ने उससे और उसकी पत्नी के साथ मारपीट की। मारपीट के दौरान महेंद्र सिंह बार-बार सर्विस रिवॉल्वर लहरा रहा था और जान से खत्म करने की धमकी दे रहा था। इसके बाद उसकी पत्नी से की गई गंभीर मारपीट वह घायल हो गई। जिसकी जयपुर में मौत हो गई।

दोनों की पत्नियां सगी बहनें :-मृतक संतोष देवी और आरोपी महेंद्र सिंह की पत्नी सुशीला देवी, दोनों सगी बहनें है। बावजूद इसके जमीन को लेकर दोनों ही पक्षों में लंबे समय से विवाद हो रहा था। महेंद्र सिंह के साथ उसका दूसरा भाई दाताराम भी है। तो निहाल सिंह के साथ उसके भाई की पत्नी चंद्रकला साथ है। निहाल सिंह के भाई रघुवीर का निधन हो चुका है। उसका पूरा परिवार किसी दूसरे गांव में रहता है। विवाद निहाल सिंह के हिस्से की जमीन बेचने पर ज्यादा बढ़ गया। आए दिन होने वाले झगड़े से परेशान होकर निहाल सिंह ने अपने मकानों में सीसीटीवी कैमरे भी लगा रखे थे। जिसमें यह मारपीट की घटना रिकॉर्ड हो गई।

नौ दिन से लापता बुजुर्ग व्यापारी का कंकाल सड़क किनारे मिला

हाइवे से गुजर रहे राहगीरों ने कुत्तों को कंकाल चबाते देखा तो सिहरन दौड़ गई

पाली, (नि.सं.)। 60 साल के बुजुर्ग व्यापारी का नर कंकाल हाइवे किनारे मिलने से शहर में सनसनी फैल गई। हाइवे से गुजर रहे राहगीरों ने कुत्तों को कंकाल चबाते देखा तो सिहरन दौड़ गई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने पहचान के प्रयास में मिसिंग रिपोर्ट खंगाली तो परिजनों ने आकर बुजुर्ग की पहचान उनके कपड़ों से की।

परिजनों के अनुसार, बुजुर्ग पिछले नौ दिन से लापता थे। वे लोगों को ब्याज पर रुपए देने का काम करते थे। कुछ ही दिन पहले उन्होंने अपनी एक जमीन भी बेची थी। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। मामला मंगलवार का पाली के शिवपुरा थाना इलाके का जाडन-मारवाड़ रोड पर खारड़ी गांव के पास का है।

- पुलिस ने पहचान के प्रयास में मिसिंग रिपोर्ट खंगाली तो परिजनों ने आकर बुजुर्ग की पहचान कपड़ों से की
- लोगों को ब्याज पर रुपए देने का काम करते थे, परिजनों ने हत्या की आशंका जताई

शिवपुरा थाना इंचार्ज देवेंद्र सिंह ने बताया कि राहगीरों की सूचना पर जाडन-मारवाड़ रोड पर पहुंचे थे। यहां रामस्वरूप बावरी (60) निवासी खारड़ी का कंकाल मिला था। परिजनों के कंकाल पर लिपटे कपड़ों के आधार पर उसकी पहचान की। इंचार्ज ने बताया रामस्वरूप के भतीजे प्रकाश ने 24 अप्रैल को सोजतरोड थाने में बुजुर्ग की मिसिंग रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। सोजत रोड थाना इंचार्ज जबर सिंह भी मौके पर आ गए थे। इसके बाद परिजन को बुलाया गया। बुजुर्ग की पूरी बॉडी को जानवरों नोच रखा था। कपड़ों से परिजनों ने शिनाख्त कर ली। अब मामले में मंगलवार रामस्वरूप के भाई मांगीलाल ने शिवपुरा थाने में हत्या की आशंका जताते हुए रिपोर्ट दी है। पुलिस ने बॉडी पाली के बांगड़ हॉस्पिटल की मॉर्चुरी में रखवाई। मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा। मौके पर एएसपी (पाली) विपिन कुमार शर्मा, सीओ सोजतसिटी जेठू सिंह भी पहुंचे थे। इसके साथ ही एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया। परिजनों के अनुसार, रामस्वरूप बावरी 21 अप्रैल को घर से पाली शहर जाने की कहकर निकले थे। इसके बाद से उनसे संपर्क नहीं हो पाया है। उन्हें 24 अप्रैल तक जगह-जगह तलाश किया, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लगा तो थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। परिजनों ने बताया कि कुछ समय पहले ही रामस्वरूप ने अपनी जमीन बेची थी। उसे जमीन का अच्छा दाम मिला था। वह परिचित जरूरतमंदों को ब्याज पर रुपए उधार देता था। विवाहित नहीं होने के कारण उसका खुद का परिवार नहीं था।

श्रीविजयनगर में अवैध कॉलोनियों पर प्रशासन ने शिकंजा कसा

एसडीएम ने 16 बीघा भूमि पर यथास्थिति बनाए रखने के आदेश दिए

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के श्रीविजयनगर उपखंड क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। उपखंड अधिकारी शकुंतला चौधरी के निर्देश पर राजस्व अधिकारियों ने जांच कर 29 जीबी बी स्थित मुरबा नंबर 28 की 16 बीघा कृषि भूमि पर बिना अनुमति कॉलोनी काटने की पुष्टि की। इसके बाद उपखंड अधिकारी ने मौके और रिकॉर्ड की यथास्थिति बनाए रखने के आदेश जारी करते हुए तत्काल प्रभाव से निर्माण कार्य पर रोक लगा दी है।

उपखंड अधिकारी शकुंतला चौधरी ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि 29 जीबी बी क्षेत्र में कृषि भूमि पर बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के अवैध रूप से आवासीय कॉलोनी विकसित की जा रही है। यह कार्य काश्तकारी शर्तों का स्पष्ट उल्लंघन है। मामले की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार बाबूलाल रैगर को जांच के निर्देश दिए गए। जांच में पाया कि खातेदारों द्वारा कृषि भूमि पर अवैध प्लॉटिंग कर विक्रय किया जा रहा था, जो नियमों के विरुद्ध है। तहसीलदार की रिपोर्ट के आधार पर राज्य सरकार के निर्देशानुसार अवैध कॉलोनी के विरुद्ध कार्यवाही शुरू की गई।

उपखंड अधिकारी ने बताया कि खातेदारों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए निर्देशित किया गया है कि वे नीयत तिथि पर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। साथ ही मौके पर स्थिति बरकरार रखने के लिए सभी संबंधित पक्षों को निर्देशित किया गया है। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि यदि बिना अनुमति के भूमि उपयोग परिवर्तन अथवा अवैध कॉलोनी विकास की गतिविधियां पाई गईं तो नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र में ऐसी अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए भविष्य में भी नियमित रूप से निरीक्षण अभियान चलाए जाएंगे।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी रामगढ़ स्थित ऐतिहासिक मोहर हवेली पहुंची

'पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हवेलियों के संरक्षण के लिए योजना के बारे में तैयारी की जायेगी'

सीकर, (निसं)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को रामगढ़ स्थित ऐतिहासिक मोहर हवेली पहुंचकर हवेली का अवलोकन कर वहां स्थित आर्ट गैलरी का अवलोकन किया।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि रामगढ़ शेखावाटी को सीकर जिले में हेरिटेज सिटी और रामगढ़, फतेहपुर, मंडावा, नवलगढ़ सहित शेखावाटी रीजन को पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने रामगढ़ में रुककर लगभग आधा दर्जन से अधिक हवेलियों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने रामायण से युक्त छतरियां, फ्रैंसको पेंटिंग भित्ति चित्र युक्त हवेली, हेरिटेज धरोहर का बारीकी से अवलोकन किया। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि शेखावाटी में टूरिज्म बढ़ाने के लिए हमने पिछले बजट में घोषणा की थी, आज मैं रामगढ़ के दौरे पर आई हूं, रामगढ़ की हवेलियों के लिए भविष्य में क्या बेहतर कर सकते हैं ताकि जो हवेलियां बची हुई है, उनका संरक्षण करने के लिए क्या प्रावधान ला सकते हैं, इसके बारे में विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो ऐतिहासिक हवेलियां है, उनको चिन्हित करेंगे कि किन हवेलियों को हम संरक्षण कर उनकी मरम्मत करवा सकते है ताकि यहां और अधिक पर्यटक आ सके। उन्होंने बताया कि राजस्थान में इस साल सबसे ज्यादा टूरिस्ट शेखावाटी क्षेत्र में पहुंचे हैं, जल्द ही कोई ऐसी कमेटी बनाई जाएगी ताकि इन सुंदर और ऐतिहासिक हवेलियों को बचाया जा सके और इनके माध्यम से रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने बताया कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हवेलियों के रखरखाव और संरक्षण के लिए योजना के बारे में तैयारी की जायेगी, जिससे देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों की संख्या में वृद्धि की जा सके। इस दौरान पूर्व सांसद झुंझुनूं नरेंद्र खीचड़, भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज बाटड़, गोर्वधन सिंह, जितेंद्र कारंगा, पूर्व आईपीएस केशर सिंह, श्रृति पोदार, अतुल खन्ना, रघुवेन्द्र सिंह डूंडलोद, मधुसूदन मालानी, गोवर्धन सिंह, गणेश नारायण शास्त्री, एडीएम भावना शर्मा सहित अधिकारी उपस्थित रहे।

- दिया कुमारी ने रामायण से युक्त छतरियां, फ्रैंसको पेंटिंग भित्ति चित्र युक्त हवेली, हेरिटेज धरोहर का बारीकी से अवलोकन किया

राजकार्य में बाधा के मामले में चार गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। लोहारिया थाना पुलिस ने पालोदा कस्बे में जानवी हत्याकांड के दौरान रोड जाम कर राजकार्य में बाधा उत्पन्न करने व राजकीय सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में चार को गिरफ्तार किया।

थानाधिकारी शिशुपाल सिंह ने बताया कि 23 मार्च को पालोदा कस्बे में जानवी की हत्या के विरोध में 100-150 व्यक्ति पालोदा बस स्टैंड उदयपुर-बांसवाड़ा हाइवे पर रोड जाम कर सरकारी वाहन पर पत्थर फेंक नुकसान पहुंचाने व पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की करने पर प्रकरण बीएनएस एवं धारा 3 पीडीपीपी एक्ट में दर्ज कर जांच की गयी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश भारद्वाज व गढ़ी वृत्ताधिकारी सुदर्शन पालीवाल के निकट सुपरविजन में जांच कर अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिये लोहारिया थानाधिकारी शिशुपाल सिंह के नेतृतव में टीम गठित की गयी। इस टीम ने अभियुक्तों की तलाश की तो ज्ञात हुआ कि घटना के बाद पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिये इधर-उधर छिपते फिर रहे हैं। जिस पर तोड़फोड़ व रोड जाम की घटना करने वालों में से 4 व्यक्तियों को डिटेन कर पूछताछ की गयी तो घटना में शरीक हो रोड जाम व सरकारी वाहन में तोड़फोड कर पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की करना स्वीकार किया। जिस पर दिनेश उर्फ पप्पु पुत्र वालजी गामोट निवासी पालोदा, गटु उर्फ नरेश पुत्र जीवतराम गामोट निवासी पालोदा, रमेश पुत्र धुलजी भगोरा निवासी पालोदा व रवि पुत्र लालजी माली निवासी पालोदा थाना लोहारिया को गिरफ्तार किया गया।

- जानवी हत्याकांड के दौरान रोड जाम कर राजकार्य में बाधा उत्पन्न करने व राजकीय सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में कार्रवाई की

75 लाख की लागत से बनी सड़क एक माह में उखड़ी, ग्रामीणों में आक्रोश

नसीराबाद, (निसं)। सरकार की योजनाओं के तहत ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्य मार्गों से जोड़ने के लिए करोड़ों रुपये की लागत से सड़क निर्माण कार्य करवाया जा रहा है, लेकिन भ्रष्टाचार और लापरवाही के चलते ये कार्य लोगों के लिए परेशानी का सबब बनते जा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला नसीराबाद क्षेत्र में सामने आया है, जहां लगभग 75 लाख रुपये की लागत से बनी सड़क महज एक माह में ही उखड़ गई।

सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा नसीराबाद को राष्ट्रीय राजमार्ग-48 से जोड़ने वाली सड़क का निर्माण करीब दो माह पूर्व ही पूर्ण किया गया था, लेकिन निर्माण के एक माह के भीतर ही सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे उभर आए हैं और डामर पूरी तरह उखड़ चुका है। वाहन चालकों को जहां रोज़ाना जान जोखिम में डालकर गुजरना पड़ रहा है, वहीं ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। देरांठू, आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय व आसपास के ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सड़क निर्माण में ठेकेदार द्वारा घटिया सामग्री का उपयोग किया गया और विभागीय अधिकारियों ने निर्माण कार्य की मॉनिटरिंग नहीं की। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क बनने से पहले ही लापरवाही दिखाई दी, लेकिन शिकायतों के बावजूद किसी ने संज्ञान नहीं लिया। यह सड़क अभी गारंटी पीरियड में है, ऐसे में निर्माण एजेंसी की जिम्मेदारी बनती है कि वह दोषपूर्ण कार्य की तुरंत मरम्मत कराए। लेकिन जब इस संबंध में विभाग के सहायक अभियंता से संपर्क किया गया तो उन्होंने 'जल्द मरम्मत करवा दी जाएगी' कहकर पल्ला झाड़ लिया। यह सड़क नसीराबाद को देरांठू व आदर्श विद्या मंदिर जैसे प्रमुख संस्थानों से जोड़ती है, बावजूद इसके इस समस्या की ओर न तो जनप्रतिनिधियों का ध्यान जा रहा है और न ही प्रशासन की कोई प्रभावी कार्रवाई नजर आ रही है। इससे ग्रामीणों में रोष है। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर एवं मुख्यमंत्री से मांग की है कि इस प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच करवाई जाए तथा घटिया निर्माण कार्य में लिप्त ठेकेदार, अभियंता और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

- वाहन चालकों को जान जोखिम में डाल गुजरना पड़ रहा है

खाद्य सुरक्षा टीम ने गोदाम से 684 लीटर घी जब्त किया

पुलिस प्रबंधन और खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने कार्रवाई की।

पाली, (नि.सं.)। पाली शहर के नया हाउसिंग बोर्ड स्थित शिव शक्ति सेल्स गोदाम में बन रहे सरस ब्रांड जैसे उत्पाद की सूचना पर पुलिस प्रबंधन और खाद्य सुरक्षा विभाग ने संयुक्त कार्रवाई की, जहां आईपीएस ऊषा यादव और खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेशचंद्र शर्मा ने गोदाम में निरीक्षण किया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेशचंद्र शर्मा ने बताया कि मौके से 684 लीटर घी जब्त किया गया तथा डेयरी सरस के 2 श्री पार्श्व घी का 1 और भैरव सरस का 1 सैंपल लिया। चारों सैंपल जांच के लिए जोधपुर भिजवाए गए। इसके साथ ही यहां मारवाड़ की शान सरस, डेयरी सरस, श्याम सरस, ज्योति सरस, भैरव सरस, श्री पार्श्व सरस जैसे कई ब्रांड की के पैकेट और टीन मिले। पाली दुग्ध उत्पादन समिति के सदस्यों को भी मौक पर बुलाया गया। जिन्होंने सीओ सिटी ऊषा यादव को शिकायत दी। जिसमें बताया कि सरस ब्रांड नाम को उपयोग कर यह लोग बाजार में अपनी ओर से बनाया गया घी बेचकर सरस ब्रांड की साख को खराब करने का काम कर रहे हैं। इस मौके पर तीन थाने की पुलिस की टीमें मौजूद रही।

- फेमस ब्रांड के नाम का उपयोग कर खुद के ब्रांड का घी बेच रहे थे

नानूवाली बावड़ी में सड़क निर्माण कार्य आमजन के लिए परेशानी बना

गांव का रास्ता बंद हो जाने से लोगों को पांच किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ रही है

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी में पिछले काफी समय से चल रहा स्टेट हाइवे का निर्माण कार्य आमजन के लिए परेशानी का सबब बन रहा है। नानूवाली बावड़ी में गांव का रास्ता बंद हो जाने से लोगों को पांच किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ रही है। सड़क निर्माण कार्य में लापरवाही होने से व्यापारियों को भी नुकसान हो रहा है।

सड़क निर्माण कार्य में लापरवाही होने से वाहन चालक परेशान हो रहे हैं।

- ठेका कंपनी बिना मैनेजमेंट के कार्य कर रही है, जिसका खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ रहा है

व्यापार मंडल अध्यक्ष अशोक सैनी ने बताया कि ठेका कंपनी के द्वारा लोगों को परेशानी को ध्यान में ना रखते हुए कार्य किया जा रहा है। सड़क की खुदाई कर देने से नानुवाली बावड़ी के गांव में जाने वाला रास्ता अवरुद्ध हो गया है, जिसकी वजह से लोगों को पांच किलोमीटर का चक्कर लगाकर नानुवाली बावड़ी आना पड़ रहा है। ठेका कंपनी ने रोड की खुदाई करके उसको प्लान नहीं किया और ना ही पानी छिड़का जाता है।

अशोक सैनी ने बताया कि दिनभर सड़क से धूल के गुब्बार उठने से दुकानदारों के पूरे दिन मिट्टी दुकानों के अंदर जाती है। वहीं दिनभर सड़क पर जाम का आलम बना रहता है। ठेका कंपनी बिना मैनेजमेंट के कार्य कर रही है, जिसका खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ रहा है। सड़क का निर्माण कार्य एक साइड का सुचारू करके फिर काम करना चाहिए। सोमवार को भी जाम लग जाने से एम्बुलेंस और गाड़ियों को दो घंटे तक जाम का सामना करना पड़ा।

व्यापार मंडल के लोगों ने बताया कि अगर ठेका कंपनी कार्य सही नहीं करती है तो उनके द्वारा विरोध किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने ठेका कंपनी से सड़क निर्माण के दौरान पानी का छिड़काव करवाने, एक साइड का रास्ता सुचारू रूप से चालू करने की मांग की। इस मौके पर रामअवतार सैनी, बद्रीप्रसाद सैनी, जेपी सैनी, राजेश सैनी, निक्कू सैनी, सुरेश सैनी सहित अनेक लोग मौजूद थे।

आतंकी हमले के विरोध में चनाना कस्बा बंद रहा

सुलताना, (निसं)। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर आमजन में आक्रोश हैं। झुंझुनूं जिले में लोग आतंकी घटना का विरोध जता रहे हैं। मंगलवार को चनाना कस्बा बंद रहा। चनाना बन्द के दौरान सभी बाजार, प्रतिष्ठान, अन्य संस्थान पूर्णत: बंद रहे।

- चनाना बन्द के दौरान सभी बाजार, प्रतिष्ठान, अन्य संस्थान बंद रहे

इसी क्रम में मंगलवार को चनाना कस्बा बंद रहा। व्यापारियों और आमजन ने आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई मांग की। विभिन्न संगठनों ने बंद का आव्हान किया था, जिसे व्यापार मंडल ने अपना समर्थन दिया। व्यापारियों ने स्वेच्छा से अपने प्रतिष्ठान रखे।

व्यापार मंडल और स्थानीय नागरिकों ने आतंकवादी गतिविधियों की कड़ी निंदा करते हुए सरकार से आतंकियों और उन्हें पनाह देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। लोगों का कहना है कि आतंकवाद को जड़ से समाप्त करने के लिए अब निर्णायक कदम उठाने का समय आ गया है। उन्होंने आतंकवाद के ठिकानों पर कठोर और प्रभावी कार्रवाई की मांग की। चनाना बन्द के दौरान सभी बाजार, प्रतिष्ठान, अन्य संस्थान पूर्णत: बंद रहे।